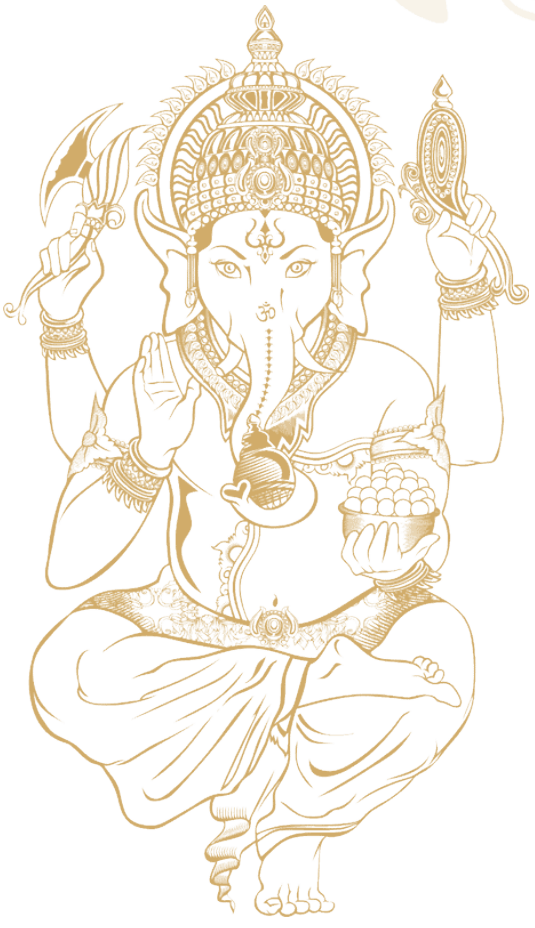

Mr Nitesh Dhanawat

Nistha

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121711202

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
03/03/1997	जन्म तिथि	23/08/1999
सोमवार	दिन	सोमवार
घंटे 09:05:00	जन्म समय	10:13:00 घंटे
घटी 06:34:15	जन्म समय(घटी)	11:23:35 घटी
Nepal	देश	India
Kathmandu	स्थान	Sikar
27:05:00 उत्तर	अक्षांश	27:51:00 उत्तर
85:04:00 पूर्व	रेखांश	75:14:00 पूर्व
86:15:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:04:44	स्थानिक संस्कार	-00:29:04 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:27:17	सूर्योदय	06:03:04
18:06:29	सूर्यास्त	19:00:03
23:49:04	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:55

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
बुध 2वर्ष 6मा 28दि		11:24:20	मेष	लग्न	तुला	00:00:19	शुक्र 8वर्ष 3मा 7दि	
शुक्र		18:46:16	कुंभ	सूर्य	सिंह	05:47:05	मंगल	
30/09/2006		27:58:39	वृश्चि	चंद्र	धनु	21:09:08	30/11/2023	
30/09/2026		08:05:41	कन्या व	मंगल	तुला	29:41:32	30/11/2030	
शुक्र	30/01/2010	11:25:42	कुंभ	बुध	कर्क	20:23:12	मंगल	27/04/2024
सूर्य	30/01/2011	15:26:58	मक	गुरु	मेष	11:07:55	राहु	16/05/2025
चन्द्र	30/09/2012	11:08:34	कुंभ	शुक्र व	सिंह	01:31:04	गुरु	22/04/2026
मंगल	30/11/2013	13:00:45	मीन	शनि	मेष	23:17:25	शनि	01/06/2027
राहु	30/11/2016	05:00:54	कन्या व	राहु	कर्क	19:05:20	बुध	28/05/2028
गुरु	01/08/2019	05:00:54	मीन व	केतु	मक	19:05:20	केतु	24/10/2028
शनि	30/09/2022	12:54:23	मक	हर्ष व	मक	20:21:42	शुक्र	24/12/2029
बुध	31/07/2025	05:11:57	मक	नेप व	मक	08:24:31	सूर्य	01/05/2030
केतु	30/09/2026	11:46:35	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	13:53:37	चन्द्र	30/11/2030

लग्न-चलित

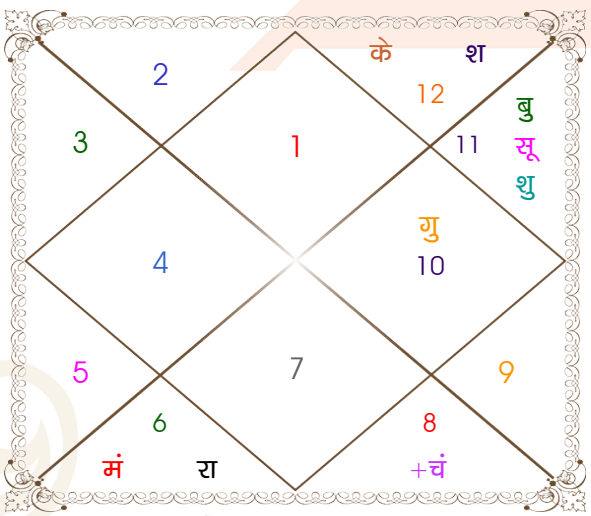

लग्न-चलित

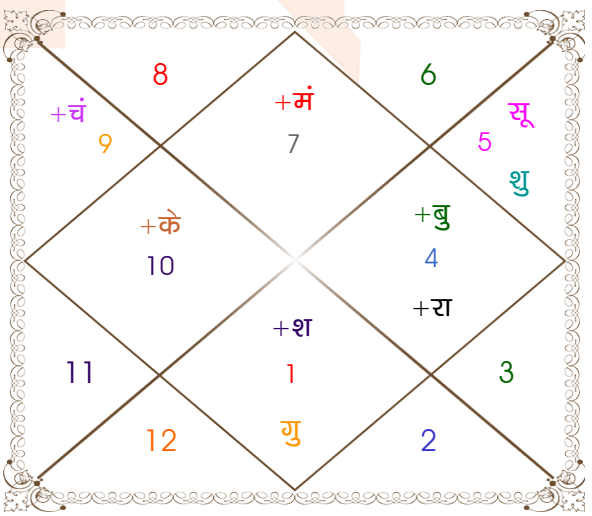

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	क्षत्रिय	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	कीटक	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मृग	वानर	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	गुरु	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	मनुष्य	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	वृश्चिक	धनु	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	18.50		

गणदोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता है।

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

डत छपजमी कींदूंज का वर्ग मृग है तथा छपेजीं का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डत छपजमी कींदूंज और छपेजीं का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

डत छपजमी कींदूंज मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

छपेजीं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु डत छपजमी कींदूंज कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डत छपजमी कींदूंज तथा छपेजीं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।